खबर संक्षेप

खाकी का सर्जिकल स्ट्राइक या महकमे की साख पर बट्टा?

शहडोल। शहडोल पुलिस ने जुए के काली कमाई वाले साम्राज्य पर एक और बड़ा प्रहार किया है, लेकिन इस बार जो मछली जाल में फंसी है, उसने समूचे प्रशासनिक तंत्र को शर्मसार कर दिया है। जयसिंहनगर पुलिस ने गोपालपुर की छुलहनी पहाड़ियों की ओट में चल रहे हाईप्रोफाइल जुआ फड़ को नेस्तनाबूद करते हुए 9 जुआरियों को दबोचा है। चौंकाने वाली बात यह है कि इन जुआरियों में शहडोल नगर पालिका का एआरआई (राजस्व निरीक्षक) पराग दुबे भी शामिल है। यह गिरफ्तारी साबित करती है कि सिस्टम की नाक के नीचे ही जिम्मेदार कुर्सियों पर बैठे लोग अपराधियों के साथ ताश की गड्डियां फेंट रहे हैं। बीते सप्ताह सिंहपुर पुलिस की धमक के बाद, अब जयसिंहनगर थाना प्रभारी अजय सिंह बैगा की टीम ने मुखबिर की सूचना पर सर्जिकल स्ट्राइक की। छुलहनी पहाड़िया के सुनसान इलाके में जब पुलिस ने दबिश दी, तो वहां मोमबत्ती की रोशनी में 66,340 रुपये के दांव लगाए जा रहे थे। अचानक हुई कार्रवाई से फड़ पर अफरा-तफरी मच गई। पुलिस ने मौके से ताश के पत्तों के साथ नपा अधिकारी पराग दुबे सहित टेटका, कुबरा, मोहनी और गोहपारू के दिग्गज जुआरियों को रंगे हाथों धर दबोचा। जयसिंहनगर की इस कार्रवाई ने जहां तालियां बटोरी हैं, वहीं खाकी के इकबाल पर बड़े सवालिया निशान भी खड़े कर दिए हैं। स्थानीय गलियारों में चर्चा है कि सोहागपुर थाना क्षेत्र में आज भी जुआ फड़ बेखौफ संचालित हो रहे हैं, लेकिन वहां की पुलिस कुंभकर्णी नींद सो रही है। इतना ही नहीं, पड़ोसी जिले अनूपपुर के राजेंद्रग्राम में पिछले एक सप्ताह से बड़े पैमाने पर फड़ सज रहे हैं, मगर वहां का अमला हाथ पर हाथ धरे बैठा है। आखिर क्या वजह है कि एक ही संभाग में पुलिस की सक्रियता के दो अलग-अलग पैमाने हैं? संभाग के आईजी और डीआईजी के संज्ञान में लाने की मांग उठ रही है। क्या संभाग के आला अफसर उन थानों पर नकेल कसेंगे जहां जुआ माफिया को अघोषित संरक्षण मिल रहा है? जानकारों का कहना है कि जब तक अनूपपुर और शहडोल के सीमावर्ती क्षेत्रों में एकसमान कार्रवाई नहीं होगी, तब तक यह अभियान महज खानापूर्ति बनकर रह जाएगा। जयसिंहनगर पुलिस ने तो अपना काम कर दिया, लेकिन अब बारी उच्च अधिकारियों की है।

रिश्तों का कत्ल: नशे की आग में जला शहडोल

कलयुगी बेटे की लात ने छीनी पिता की सांसें

शहडोल।

विंध्य की इस धरा पर रिश्तों की मर्यादा अब शराब के नशे और क्षणिक आवेश की भेंट चढ़ रही है। नए साल के स्वागत का जश्न दो परिवारों के लिए ऐसा काल बनकर आया कि कहीं पिता की अर्थी उठी, तो कहीं एक अजन्मे मासूम के साथ मां की सांसें थम गईं। सिंहपुर और गोहपारू थाना क्षेत्रों से आई इन दो खबरों ने न केवल मानवता को शर्मसार किया है, बल्कि पुलिस और समाज के सामने भी बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं।

300 रुपये के लिए मर्डर

सिंहपुर थाना क्षेत्र के ग्राम कुदवार खुर्द में एक ऐसी घटना सामने आई है, जिसे सुनकर किसी की भी रूह कांप जाए। यहां एक कलयुगी बेटे दयाराम ने महज 300 रुपये के विवाद में अपने ही पिता ददनू की जान ले ली। 31 दिसंबर की रात, जब दुनिया नए साल का स्वागत कर रही थी, दयाराम अपने पिता और परिवार के साथ शराब की पार्टी मना रहा था। इसी दौरान बूढ़े पिता ने अपने ही खेत में की गई मेहनत की मजदूरी के रूप में बेटे से 300 रुपये मांगे। पिता का कसूर सिर्फ इतना था कि वह अपने खर्च के लिए अपने ही बेटे के सामने हाथ फैला रहा था। पैसे देने के बजाय हैवान बने बेटे ने पिता के गुप्तांग पर जोरदार लात जड़ दी।

तड़प-तड़प कर निकले प्राण

शर्मनाक बात यह रही कि लात लगने से घायल पिता घर में 24 घंटे तक दर्द से चीखते रहे, लेकिन पत्थरदिल बेटे का दिल नहीं पसीजा। अगले दिन जब हालत बिगड़ी, तो अस्पताल ले जाकर उसने डॉक्टरों से झूठ बोला कि पेट में दर्द है, लेकिन कुदरत को कुछ और ही मंजूर था, डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। भाई को सच बताने के बाद अब आरोपी बेटा पुलिस की गिरफ्त में है। सिंहपुर थाना प्रभारी एम.एल. रहंगडाले का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद हत्या की धाराएं बढ़ाई जाएंगी।

गर्भवती ने कुएं में लगाई छलांग

रिश्तों के कत्ल की दूसरी दास्तां गोहपारू के ग्राम सोनटोला से आई है। यहां नए साल का सूरज एक घर के लिए मातम लेकर आया। 22 वर्षीय नवविवाहिता सरोज, जिसके गर्भ में एक नन्हीं जान पल रही थी, उसने कुएं में कूदकर खुदकुशी कर ली। बताया जा रहा है कि सरोज का पति चंद्रभान सिंह नए साल की रात शराब के नशे में धुत होकर घर लौटा। नशे की हालत में पति-पत्नी के बीच तीखी नोकझोंक हुई। विवाद इतना बढ़ा कि गर्भवती सरोज मानसिक संतुलन खो बैठी और उसने आंगन के कुएं को अपनी कब्र बना लिया।

जब तक ग्रामीणों ने उसे बाहर निकाला, तब तक एक मां और एक अजन्मे मासूम की मौत हो चुकी थी। शहडोल उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय डॉ. राघवेंद्र द्विवेदी ने मामले की पुष्टि करते हुए कहा कि घरेलू विवाद और नशे की वजह से यह आत्मघाती कदम उठाया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

शहडोल के अभिषेक का चंडीगढ़ में डंका

शहडोल। प्रतिभा किसी परिचय की मोहताज नहीं होती और जब इरादे फौलादी हों, तो शहडोल जैसे छोटे शहर की मिट्टी भी राष्ट्रीय फलक पर सोना उगलती है। जिले के माटी पुत्र अभिषेक सिंह चौहान ने सात समंदर पार नहीं, बल्कि देश के बड़े खेल केंद्र चंडीगढ़ में अपनी कोचिंग का लोहा मनवाकर इतिहास रच दिया है। क्रिकेट की बारीकियों और खिलाड़ियों को तराशने के उनके बेमिसाल हुनर के लिए उन्हें बेस्ट कोच अवॉर्ड से नवाजा गया है, जो पूरे विंध्य क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण है।

दिग्गज योगराज सिंह के खास बने अभिषेक

अभिषेक की इस सफलता के पीछे भारतीय क्रिकेट के दिग्गज और कडक़ अनुशासन के पर्याय योगराज सिंह का मार्गदर्शन है। युवराज सिंह के पिता और विख्यात कोच योगराज सिंह के सान्निध्य में अभिषेक ने न केवल क्रिकेट की तकनीक सीखी, बल्कि खिलाड़ियों की मानसिक मजबूती और किलर इंस्टिंक्ट को जगाने की कला में भी महारत हासिल की है। आज अभिषेक की गिनती उन चुनिंदा कोचों में होती है जो तकनीक के साथ-साथ फिटनेस और रणनीति के मोर्चे पर खिलाड़ियों को मैच विनर में तब्दील कर देते हैं।

संसाधनों की कमी को बनाया ताकत

अभिषेक का सफर उन युवाओं के गाल पर तमाचा है, जो संसाधनों की कमी का रोना रोते हैं। शहडोल की गलियों से निकलकर चंडीगढ़ की हाई-टेक एकेडमी तक का सफर उनके जुनून और कठोर परिश्रम की कहानी कहता है। यह अवॉर्ड महज एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि उनके वर्षों के पसीने का हिसाब है। आने वाले समय में अभिषेक का यह विजयरथ मध्य प्रदेश के कई उभरते खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा का सबसे बड़ा स्त्रोत साबित होगा।

कैलाश विजयवर्गीय का पुतला फूंका

शहडोल में फूटा कांग्रेस का गुस्सा

मंत्री के अहंकार पर जमकर बरसे कांग्रेसी

शहडोल। इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से हुई मौतों और उसके बाद कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की कथित बदजुबानी ने प्रदेश की सियासत में उबाल ला दिया है। जिले के गांधी चौक पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष अजय अवस्थी के मार्गदर्शन और युवा कांग्रेस जिला उपाध्यक्ष आशीष तिवारी के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने गगनभेदी नारों के बीच मंत्री का पुतला दहन किया। इस दौरान पुलिस की पानी की बौछारों के बीच भी कार्यकर्ता डटे रहे और सरकार के खिलाफ जमकर आक्रोश व्यक्त किया।

सत्ता का अहंकार दिखा रहे मंत्री

प्रदर्शन के दौरान युवा कांग्रेस नेता आशीष तिवारी ने तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा के जनप्रतिनिधियों की लापरवाही से मासूमों की जान चली गई, लेकिन मंत्री अपनी जिम्मेदारी स्वीकारने के बजाय मीडिया और जनता के सामने अमर्यादित व्यवहार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जहरीला पानी पीने से हुई 9 से अधिक मौतें कोई साधारण घटना नहीं, बल्कि प्रशासनिक हत्या है, जिसे युवा कांग्रेस कतई बर्दाश्त नहीं करेगी।

इस्तीफे और एफआईआर की मांग पर अड़ा संगठन

जिला कांग्रेस अध्यक्ष अजय अवस्थी ने सीधे मुख्यमंत्री से विजयवर्गीय को बर्खास्त करने की मांग की। उन्होंने कहा कि 15 लोगों की मौत के बाद भी मंत्री का व्यवहार अशोभनीय और संवेदनहीन है। कांग्रेस ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि जब तक इस हादसे के दोषियों पर एफआईआर दर्ज नहीं होती और मंत्री इस्तीफा नहीं देते, आंदोलन थमेगा नहीं। गांधी चौक पर हुए इस प्रदर्शन ने साफ कर दिया है कि कांग्रेस अब इस मुद्दे पर सरकार को घर-घर जाकर घेरने की तैयारी में है।

इनकी रही मौजूदगी

कार्यक्रम मे मुख्य रूप से कांग्रेस जिलाध्यक्ष अजय अवस्थी, युवाकांग्रेस जिला उपाध्यक्ष आशीष तिवारी, वरिष्ठ कांग्रेसी रविंद्र तिवारी,पूर्व जिलाध्यक्ष नीरज द्विवेदी, पूर्व नगरपालिका उपाध्यक्ष कुलदीप निगम,जिला मुख्य प्रवक्ता पीयूष शुक्ला, पूर्व पार्षद प्रभात पाण्डेय, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी,पूर्व पार्षद जितेंद्र सिंह,सोहागपुर ब्लाक अध्यक्ष प्रीतमदास सोनी,पार्षद हीरालाल प्रजापती,पूर्व ब्लाक अध्यक्ष शिव शंकर शुक्ला, विवेक तिवारी, पुष्पराज सिंह, हरिशंकर तिवारी,आशीष दुबेदी, पंकज तिवारी, संदीप द्ववेदी, सत्यनारायण साहू,शोएब अंसारी,वरुण पाल,अशोक तिवारी, शोभराज नागपाल, सिद्धू कोल, सोनेलाल, भैया लाल, ओम साहू,दीपांशु गुप्ता, महेंद्र यादव , कान्हा कोरी, आशु, शिवांशु साहू, अर्पित सेन, महेंद्र यादव ,आकाश तिवारी,संस्कार गुप्ता, साहिल कुशवाहा, चिल्लू, आशीष नामदेव, अनुराग तिवारी, मोहित करमेल, आसू शोधिया, बब्लु, चंदन, शुभम, सुमित, पीयूष, प्रथम, कृष्णा, पार्श, प्रवीण, हिमेश, कृतेंद्र, मोहसिन खान, अर्चना सिंह, शेख़ आबिद, दीपक चौधरी, मोहिब खान,अखिल चौधरी, ओम चौधरी,रोहित जायसवाल, अखिलेश सिंह, अफजल खान, शुभम केवट, रितेश झरिया,सुधांशु सिंह आदि सैंकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

इंदौर की जल-त्रासदी के बाद शहडोल में हडक़ंप

सरफा की तंग गलियों में उतरा नपा का अमला

शहडोल

इंदौर में दूषित पानी से हुई मासूमों की मौतों ने पूरे प्रदेश के सिस्टम को हिलाकर रख दिया है। इसी खौफ और सबक के बीच शहडोल नगर पालिका प्रशासन अब एक्शन मोड में आ गया है। शहर के सबसे घनी आबादी वाले सरफा क्षेत्र में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब नगर पालिका अध्यक्ष, सीएमओ और पार्षदों की फौज अचानक पाइपलाइनों का पोस्टमार्टम करने सडक़ों पर उतर आई। यह महज निरीक्षण नहीं, बल्कि लापरवाह इंजीनियरिंग अमले के खिलाफ एक खुली चेतावनी थी।

लीकेज मिलने पर बिफरे जनप्रतिनिधि

नगर पालिका अध्यक्ष घनश्याम जायसवाल और सीएमओ अक्षत बुंदेला ने सरफा की पेयजल सप्लाई के एक-एक वाल्व और कनेक्शन की बारीकी से जांच की। निरीक्षण के दौरान पार्षद सिल्लू रजक, प्रभात पांडेय और जितेन्द्र सिंह ने मोर्चा संभालते हुए उन ब्लैक स्पॉट्स की ओर इशारा किया, जहां सीवर और पीने के पानी की लाइनें एक-दूसरे के बेहद करीब हैं। जनप्रतिनिधियों ने दोटूक कहा कि सराफा जैसे व्यापारिक और रिहायशी इलाके में यदि पाइपलाइन में जरा भी लीकेज मिला या दूषित पानी की शिकायत आई, तो संबंधित इंजीनियर अपनी खैर न समझें।

एसी कमरों से निकलकर गड्ढों में उतरें साहब

अधिकारियों ने इंजीनियरिंग अमले को फटकार लगाते हुए निर्देश दिए कि वे कागजी रिपोर्टों के बजाय धरातल पर उतरें। पुराने और जर्जर पाइपों को तत्काल बदलने के आदेश देते हुए अध्यक्ष ने कहा जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने का अधिकार किसी को नहीं है। इंदौर जैसा मंजर शहडोल में नहीं दिखना चाहिए। सीएमओ ने सख्त लहजे में कहा कि यदि किसी भी कर्मचारी ने शिकायत पर टालमटोल की, तो उसे तत्काल प्रभाव से घर बैठा दिया जाएगा।

जनता की सुरक्षा सर्वोपरि

नागरिकों ने प्रशासन की इस सक्रियता का स्वागत किया है, लेकिन सवाल वही है कि क्या यह कड़ाई केवल दौरों तक सीमित रहेगी? फिलहाल, नपा प्रशासन ने स्पष्ट कर दिया है कि अब पानी की शुद्धता पर कोई समझौता नहीं होगा। इंजीनियरों को 24 घंटे अलर्ट मोड पर रहने और हर सप्लाई पॉइंट का परीक्षण करने का अल्टीमेटम दे दिया गया है।

किसानों के चक्रव्यूह में फंसा कोल प्रबंधन

85 घंटे बाद थमा रामपुर-बटुरा खदान का महासंग्राम, झुकी सरकार और एसईसीएल

शहडोल। हक और हुकूक की लड़ाई जब जुनून बन जाए, तो बड़ी से बड़ी सत्ता को घुटने टेकने पड़ते हैं। सोहागपुर एरिया की लाइफलाइन कही जाने वाली रामपुर बटुरा खुली खदान परियोजना में पिछले चार दिनों से जारी किसानों का ऐतिहासिक आंदोलन अंततः अपनी शर्तों पर विजयी हुआ। 85 घंटों तक खदान का चक्का जाम कर आर-पार की जंग लड़ रहे किसानों ने प्रबंधन के लिखित आश्वासन और दमनकारी कार्रवाई की वापसी के बाद शनिवार को आंदोलन स्थगित कर दिया।

यह कागज नहीं, किसानों के पसीने की जीत

आंदोलन का नेतृत्व कर रहे जुझारू किसान नेता भूपेश शर्मा ने ऐलान किया कि यह जीत उन माटी पुत्रों की है जिन्होंने हाड़ कंपा देने वाली ठंड में खदान के मुहाने पर डेरा डाले रखा। उन्होंने साफ कहा हमने प्रबंधन को स्पष्ट कर दिया था कि बिना 100 प्रतिशत समाधान, रोजगार और विस्थापन के उचित मुआवजे के खदान की एक ईंट भी नहीं हिलेगी। प्रबंधन को तब झुकना पड़ा जब आंदोलनकारियों ने दोटूक कहा कि कागजी पट्टों से लेकर मकानों के संपूर्ण परिसंपत्ति के मुआवजे और बच्चों के रोजगार पर जब तक समयबद्ध लिखित समझौता नहीं होता, तब तक कोयले का एक दाना बाहर नहीं जाएगा।

वापस लेने पड़े दमनकारी आदेश

आंदोलन की सबसे बड़ी नैतिक जीत यह रही कि कोल प्रबंधन ने आंदोलन के दौरान जिन बच्चों (श्रमिकों) के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की थी, उसे तत्काल प्रभाव से वापस लेना पड़ा। उन्हें न केवल ड्यूटी पर बहाल किया गया, बल्कि प्रबंधन और प्रशासन के आला अधिकारियों को जन चौपाल में आकर घंटों तक किसानों की मनुहार करनी पड़ी। जब ठोस लिखित दस्तावेज आंदोलनकारियों के हाथ में आया, तभी 85 घंटे से बंद मशीनों के शोर को दोबारा शुरू करने की अनुमति दी गई।

सियासी और सामाजिक एकजुटता ने बदली तस्वीर

इस बार का आंदोलन केवल रामपुर बटुरा का नहीं, बल्कि पूरे संभाग की एकजुटता का प्रतीक बना। आंदोलन को जिला पंचायत अध्यक्ष प्रीति सिंह, अनूपपुर कांग्रेस अध्यक्ष गुड्डू चौहान, भाजपा नेता तुलसी भाई, जनपद सदस्य चंद्र कुमार तिवारी और सांसद प्रतिनिधि राजकमल मिश्रा जैसे कद्दावर चेहरों का समर्थन मिला। वहीं ट्रक एसोसिएशन के अध्यक्ष रामजी मिश्रा और राजकुमार सरावगी ने अपनी पूरी टीम के साथ खड़े होकर किसानों की ताकत को दोगुना कर दिया।

जमीनी योद्धाओं ने नहीं छोड़ा रणक्षेत्र

आंदोलन को सफल बनाने में रमेश सिंह, शांति मनमोहन चौधरी, राजाराम मिश्रा, हीरामणि उर्फ बग्गा महाराज और ओमप्रकाश द्विवेदी जैसे साथियों ने दिन-रात एक कर दिया। गांव-गांव से आई महिलाओं और पुरुषों के जज्बे ने साबित कर दिया कि जब घर और जमीन पर संकट आता है, तो पूरा समाज एक दीवार बन जाता है।

प्रशासन और प्रबंधन का जताया आभार

भूपेश शर्मा ने आंदोलन समिति की ओर से पुलिस प्रशासन थाना प्रभारी जयप्रकाश नारायण शर्मा, राजस्व अमला और एसईसीएल के उन अधिकारियों का भी आभार व्यक्त किया जिन्होंने वार्ता के दौरान सकारात्मक रुख अपनाया। उन्होंने मीडिया के प्रति भी कृतज्ञता प्रकट की, जिसने किसानों की आवाज को भोपाल और दिल्ली तक पहुंचाया।

शिक्षा की राह में रफ्तार का तोहफा

मेधावी बेटियों को एसबीआई ने दीं साइकिलें, नए साल में सशक्तिकरण की नई मिसाल

शहडोल। मुनाफे की बैंकिंग से इतर सामाजिक सरोकारों की पिच पर भारतीय स्टेट बैंक ने नए साल के पहले दिन एक बड़ा सिक्सर लगाया है। कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व के तहत एसबीआई की शहडोल शाखा ने जिले की मेधावी छात्राओं को साइकिलें वितरित कर उनके सपनों को नई उड़ान दी। बैंक का यह कदम केवल एक उपहार नहीं, बल्कि उन बेटियों के संघर्ष को सम्मान है जो मीलों पैदल चलकर ज्ञान अर्जित करने स्कूल पहुंचती हैं।

आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

क्षेत्रीय प्रबंधक राजकुमार मंडल के नेतृत्व में आयोजित इस गरिमामयी समारोह में बैंक ने स्पष्ट संदेश दिया कि शिक्षा और महिला सशक्तिकरण ही विकसित भारत की नींव है। साइकिल पाकर छात्राओं के चेहरे खिल उठे, अब वे बिना किसी परिवहन बाधा के समय पर स्कूल पहुंच सकेंगी। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रघुराज-2 के प्राचार्य प्रशांत मिश्रा, सोहागपुर कन्या शाला की प्राचार्या एनी एंथनी और पीएम श्री कोतमा के प्राचार्य संजय पांडेय ने बैंक की इस पहल को क्रांतिकारी बताया।

साहबों के साथ बेटियों का सम्मान

कार्यक्रम में मुख्य प्रबंधक रविश रंजन, मनोज सिंह, धीरज कुमार सहित बैंक की पूरी टीम ने मेधावियों का उत्साहवर्धन किया। एसबीआई की इस पॉजिटिव स्ट्राइक ने साबित कर दिया कि अगर कॉर्पोरेट जगत अपनी जिम्मेदारी समझे, तो संसाधनों के अभाव में कोई भी प्रतिभा दम नहीं तोड़ेगी।

सोहागपुर में बैंक डिफाल्टरों पर प्रशासन का हंटर

वसूली शिविर में टूटी कर्जदारों की अकड़, समझौते की मेज पर बंद हुए एनपीए खाते

शहडोल। कर्ज लेकर डकारने वाले और बैंक की नोटिसों को ठेंगा दिखाने वाले एनपीए खाताधारकों के खिलाफ सोहागपुर तहसील प्रशासन और बैंक प्रबंधन ने संयुक्त रूप से मोर्चा खोल दिया है। 29 दिसंबर को आयोजित विशेष वसूली शिविर में राजस्व वसूली प्रमाणपत्र के मामलों में फंसी फाइलों पर सीधी कार्रवाई की गई। नायब तहसीलदार की कड़ाई और बैंक अधिकारियों की घेराबंदी का नतीजा यह रहा कि सालों से कुंडली मारकर बैठे डिफाल्टरों ने मौके पर ही समझौता करना मुनासिब समझा।

मौके पर ही हुआ सेटलमेंट

शिविर में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के शाखा प्रबंधक अभिषेक श्रीवास्तव, पवन कुमार और इंफोर्समेंट एजेंसी के साजिद खान व प्रिंस मिश्रा ने डिफाल्टरों को स्पष्ट चेतावनी दी। उन्हें बताया गया कि यदि अब भी कर्ज नहीं चुकाया, तो कुर्की और अन्य कानूनी पेचीदगियां उनका जीना मुहाल कर देंगी। इस हार्ड हिटिंग समझाइश का असर यह हुआ कि कई बड़े बकायादारों ने कानूनी जिलत से बचने के लिए तुरंत समझौता योजना अपनाई और सालों पुराने ऋण खाते बंद किए।

कर्ज चुकाओ या कार्रवाई झेलो

तहसील प्रशासन ने साफ कर दिया है कि बैंकिंग प्रणाली को चूना लगाने वालों को अब और रियायत नहीं मिलेगी। इस संयुक्त स्ट्राइक से जहां बैंकिंग व्यवस्था को मजबूती मिलेगी, वहीं क्षेत्र के अन्य डिफाल्टरों को भी सख्त संदेश गया है। अधिकारियों का कहना है कि यह तो बस शुरुआत है, आने वाले दिनों में आरआसी वसूली को लेकर और भी आक्रामक कदम उठाए जाएंगे।

केशवाही के भ्रष्टाचार पर भाजपा नेता का ही हल्ला

उपयंत्री अमन मंसूरी पर मलाई खाने के संगीन आरोप

अपनी सरकार के नौकरशाहों को घेरा

शहडोल

प्रदेश में भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस का नारा बुलंद करने वाली भाजपा सरकार के भीतर ही अब असंतोष का ज्वालामुखी फूट पड़ा है। जिले के केशवाही मंडल से जो खबर निकलकर आ रही है, उसने प्रशासनिक गलियारों में हडक़ंप मचा दिया है। भारतीय जनता युवा मोर्चा के मंडल उपाध्यक्ष शिव कुमार मिश्रा गोलू ने अपनी ही सरकार के तंत्र को कटघरे में खड़ा करते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को शिकायती पत्र सौंपा है। एक तरफ सरकार सुशासन का दावा कर रही है, वहीं दूसरी तरफ सत्ताधारी दल का ही एक जिम्मेदार पदाधिकारी सिस्टम के भीतर बैठे दीमकों के खिलाफ मोर्चा खोलकर खड़ा है। निशाने पर हैं बुढ़ार जनपद में पदस्थ उपयंत्री अमन मंसूरी, जिन पर विकास कार्यों में कमीशनखोरी और फर्जीवाड़े के गंभीर आरोप जड़े गए हैं।

गुणवत्ता शून्य, भुगतान फुल

शिकायतकर्ता शिव कुमार मिश्रा ने ग्राम पंचायत केशवाही में हुए निर्माण कार्यों की पोल खोलते हुए उपयंत्री अमन मंसूरी की कार्यप्रणाली पर सीधा हमला बोला है। पत्र में आरोप लगाया गया है कि मोहल्ला मौहार टोला में ननका के घर से कयूम के घर तक बनाई गई सीसी रोड पूरी तरह गुणवत्ताहीन है। बावजूद इसके, उपयंत्री ने न केवल इसका मूल्यांकन किया, बल्कि सीसी जारी कर भुगतान का रास्ता भी साफ कर दिया। यह सवाल खड़ा होता है कि जब निर्माण की उम्र पहली बारिश सहने लायक भी नहीं है, तो साहब की कलम ने इसे वन कैसे मान लिया?

नाली और गौशाला में भी घपलेबाजी का खेल

शिकायत में सिर्फ सडक़ ही नहीं, बल्कि जल निकासी के नाम पर हुए खेल का भी खुलासा किया गया है। मेन मार्केट में नाली निर्माण अधूरा होने और उस पर ढक्कन न लगे होने के बावजूद उपयंत्री ने अपनी विशेष कृपा बरसाते हुए सीसी जारी कर दी। दयाराम के घर से महादेव के घर तक बनी नाली की कहानी भी कुछ ऐसी ही है, घटिया काम और शानदार भुगतान। सबसे चौंकाने वाला खुलासा गौशाला निर्माण और पेपर ब्लॉक कार्यों को लेकर है। आरोप है कि सरपंच और सचिव ने बिना ग्राम सभा और

पंचगणों की बैठक के, नियमों को ताक पर रखकर फर्जी तरीके से 10 प्रतिशत राशि का खेल कर टीएस जारी करवा लिया।

सत्ता की साख पर नौकरशाही का ग्रहण

इस पूरे मामले ने एक बड़ा राजनीतिक प्रश्न खड़ा कर दिया है। जब सत्ताधारी दल (भाजपा) का युवा मोर्चा उपाध्यक्ष खुद यह लिख रहा है कि शिकायत पूर्व में भी की गई थी, लेकिन आज तक निराकरण नहीं हुआ, तो यह सीधे तौर पर प्रशासनिक निरंकुशता की ओर इशारा करता है। शहडोल जिला पंचायत के कुछ अधिकारी अपनी ही सरकार की छवि को धूमिल करने में जुटे हैं। उपयंत्री जैसे छोटे पद पर बैठे लोग आखिर किसके संरक्षण में इतने निडर होकर कागजी विकास कर रहे हैं? क्या इन नौकरशाहों को सरकार का डर नहीं रहा या फिर भ्रष्टाचार की जड़ें इतनी गहरी हैं कि सत्ता का संगठन भी बेबस नजर आ रहा है?

सीईओ की निष्पक्षता पर नजर

युवा मोर्चा नेता शिव कुमार मिश्रा ने चेतावनी भरे लहजे में जल्द से जल्द जांच और कार्रवाई की मांग की है। अब गेंद जिला पंचायत सीईओ के पाले में है। क्या वे अपने मातहत अधिकारियों को बचाएंगे या फिर भाजपा कार्यकर्ता की इस न्याय की गुहार पर कोई कड़ा एक्शन लेंगे। जनता देख रही है कि जिस सरकार ने भ्रष्टाचार मुक्त एमपी का सपना दिखाया, उसी के सिपाही जब अमन मंसूरी जैसे इंजीनियरों के खिलाफ सडक़ों पर उतरने को मजबूर हैं, तो हकीकत धरातल पर कितनी खोखली है। यदि समय रहते इन सफेदपोश लुटेरों पर नकेल नहीं कसी गई, तो आगामी समय में जनता के दरबार में जवाब देना भारी पड़ सकता है।

शासन की योजनाओं का लाभ लेने के लिए समग्र आईडी एवं आधार कार्ड से ईकेवाईसी आवश्यक

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

शासन द्वारा संचालित सभी योजनाओं एवं शासकीय कार्यों का लाभ लेने के लिये सभी खाताधारक, भूमि स्वामियों, प्लॉट-भूखण्ड, मकान मालिकों जिनके नाम खसरा रिकार्ड में दर्ज हैं उन्हें अपने-अपने भू-खण्ड एवं कृषि भूमियों का समग्र आई.डी. एवं आधार कार्ड से ईकेवाईसी कराना आवश्यक है। अगर आप अपनी भूमियों की हेरा-फेरी एवं जमीन संबंधी गड़बड़ियों से बचना चाहते और अपने भूखण्ड, मकान, दुकान कृषि भूमि को सुरक्षित रखना चाहते हो तो आप सभी अपने नजदीकी सीएससी कंप्यूटर सेंटर पर जाकर अपनी-अपनी कृषि भूमियों, भूखण्डों, प्लाट एवं मकानो की ईकेवाईसी अवश्य कराएं और शासन की योजनाओं का लाभ ले सकते हैं और होने वाली धोखाधड़ी तथा असुविधा से बच सकते हैं। ईकेवाईसी के लिए अपने साथ समग्र आई.डी, आधार कार्ड, जन्म तिथि से संबंधित कोई भी दस्तावेज, मोबाईल नम्बर, खसरा नकल साथ में लें जाएं और शीघ्र अतिशीघ्र केवाईसी करवाएँ।

कैसे करें ईकेवाईसी

मोबाईल तथा कम्प्यूटर से ईकेवाईसी करने के लिए लॉगईन करें। इसके पश्चात समग्र पोर्टल पर क्लिक करें राजस्व महाअभियान अंतर्गत ईकेवाईसी समग्र आईडी प्रविष्टि करें पंजीकृत मोबाइल से प्राप्त ओटीपी दर्ज करें। इसके बाद भूमि संबंधी जानकारी जैसे जिला, तहसील, ग्राम, खसरा नंबर प्रविष्ट करें तथा नाम सिलेक्ट करें आधार ओटीपी दर्ज करें। इसके बाद आपका ईकेवाईसी हो जाएगा।

महाविद्यालयीन राज्य स्तरीय महिला क्रिकेट प्रतियोगिता में भोपाल बनी विजेता

शहडोल

मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग के खेल कैलेण्डर अनुसार पंडित अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय महाविद्यालय जयसिंहनगर मैदान पर राज्य स्तरीय महिला क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। फाइनल मुकाबला 31 दिसंबर 2025 को भोपाल और जबलपुर के मध्य खेला गया जिसमें टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए जबलपुर की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 02 विकेट खोकर 108 रन बनाए। भूमि ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए सर्वाधिक 32 गेंदों में 02 चौके और 04 छक्कों की मदद से नाबाद 50 रन बनाए। भोपाल की ओर से गेंदबाजी करते हुए इशिता ने 04 ओवरों में 21 रन देकर 02 विकेट चटकाए। जवाब में भोपाल की टीम ने 16 वें ओवर में ही 02 विकेट खोकर यह लक्ष्य हासिल कर लिया और यह मुकाबला 08 विकटों से जीत लिया। भोपाल की ओर से शानदार बल्लेबाजी करते हुए अनन्या सिंह ने 44 गेंदों में 09 चौकों की मदद से नाबाद 57 रनों की पारी खेली। पूरे प्रतियोगिता में शानदार आलराउंड परफार्म करनी वाली पलक वशिष्ठ को मैन ऑफ द टूर्नामेंट प्रदान किया गया। उन्होंने प्रतियोगिता के दौरान 98 रन एवं 08 चटकाए। प्रतियोगिता में जबलपुर की ओर से भूमि सिंह ने भी सभी खेलप्रेमियों को अपने प्रदर्शन से प्रभावित करते हुए सर्वाधिक पुरस्कार प्राप्त किया।

खिलाड़ियों को दिए मेडल एवं प्रमाण पत्र

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अतिथियों द्वारा सभी खिलाडिय़ों को मेडल एवं प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। साथ ही विजेता एवं उपविजेता टीम को ट्राफी प्रदान की गयी। पुरस्कार वितरण समारोह के पश्चात कलेक्टर शहडोल डॉक्टर केदार सिंह, सभी खिलाडिय़ों, टीम के कोचों, एवं उपस्थित सभी अतिथियों को विशेष भोजन कराया गया। जहां बाजे-गाजे? में विधायक शरद जुगलाल कोल व मनीषा सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष अमिता चपरा, मंडल अध्यक्ष, महाविद्यालय के प्रोफेसर एवं खिलाड़ी थिरकते हुए नजऱ आए।

इनकी रही प्रमुख भूमिका

कार्यक्रम का सफल आयोजन पंडित अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय महाविद्यालय जयसिंहनगर के प्राचार्य डॉक्टर धर्मेंद्र कुमार द्विवेद्वी के मार्गदर्शन एवं क्रीड़ा अधिकारी दिलीप शुक्ला के नेतृत्व में आयोजित किया गया। पूरे प्रतियोगिता में आनंद त्रिपाठी, आनंद मिश्रा, मनीष नामदेव एवं संदीप सिंह ने निर्णायक की भूमिका, विजय सिंह, खुशी सोनी, शिब्बू यादव एवं जितेन्द्र पटेल ने स्कोरर जबकि निक्की माली एवं शिरीष सोनी ने कॉमेंटेटर की भूमिका निभाई।

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में मुख्य रूप से ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्र के विधायक शरद जुगलाल कोल, विधायक जयसिंहनगर मनीषा सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष अमिता चपरा, संतोष लोहानी, मंडल अध्यक्ष जयश्री कचेर, पुष्पेन्द्र सिंह गहरवार सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ताओं सहित खेलप्रेमी एवं दर्शक मौजूद रहे।

इनका कहना है...

हमारी बेटियों ने गांव से लेकर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रदर्शन से यह साबित कर दिया कि वह बेटों से कम नहीं हैं। हमारी बेटियां दिन प्रतिदिन नये आयाम स्थापित कर रही हैं।

शरद जुगलाल कोल
विधायक, ब्यौहारी

अनूपपुर-जैतहरी मार्ग पर मौत का हाईटेंशन जाल

मानकों को ठेंगा दिखा रहे ठेकेदार और इंजीनियर, लोकायुक्त जांच की उठी मांग

शहडोल

विकास के नाम पर भ्रष्टाचार और तकनीकी लापरवाही का एक ऐसा करंट अनूपपुर-जैतहरी मार्ग पर दौड़ रहा है, जो कभी भी बड़ी जनहानि का सबब बन सकता है। 33 केवी हाईटेंशन लाइन विस्तार कार्य में बरती जा रही गंभीर अनियमितताओं ने अब तूल पकड़ लिया है। इस पूरे प्रोजेक्ट में सुरक्षा मानकों की धज्जियां उड़ाने का आरोप लगाते हुए सामाजिक कार्यकर्ता जितेन्द्र सिंह ने सीधे लोकायुक्त, ऊर्जा विभाग और आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो का दरवाजा खटखटाया है। इस शिकायत ने विद्युत वितरण कंपनी के भीतर चल रहे कमीशन के खेल को चौराहे पर लाकर खड़ा कर दिया है। आरोप है कि इंजीनियरों और ठेकेदार की जुगलबंदी ने सरकारी खजाने को चूना लगाने के साथ-साथ आम जनता की जिंदगी को दांव पर लगा दिया है।

लोहे के खंभों की जगह रेत का सहारा

शिकायत पत्र में जो सबसे बड़ा खुलासा हुआ है, वह है निर्माण सामग्री में हेरफेर। निविदा शर्तों के अनुसार, जहां उच्च क्षमता वाली 33 केवी लाइन के लिए लोहे के मजबूत खंभे होने चाहिए थे, वहां ठेकेदार ने अपनी मलाई बचाने के लिए कमजोर और घटिया सीमेंट के खंभे गाड़ दिए हैं। सवाल यह है कि उच्च धारा प्रवाह वाली लाइन के लिए सीमेंट के इन खंभों को किस इंजीनियर ने ओके किया? क्या विभाग किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है ताकि दुर्घटना के बाद फाइलें बंद की जा सकें?

भारी वाहनों का मार्ग और नीचे लटकते तार

अनूपपुर-जैतहरी मार्ग कोई सामान्य सडक़ नहीं है। यहां मोजर बेयर जैसी बड़ी कंपनियों की भारी मशीनें और फ्लाई ऐश के ट्रक 24 घंटे दौड़ते हैं। सुरक्षा नियमों के मुताबिक, बिजली के खंभे सडक़ से कम से कम 10 मीटर दूर होने चाहिए, लेकिन यहां तो खंभे सडक़ से सटकर खड़े कर दिए गए हैं। हद तो तब हो गई जब खंभों की ऊंचाई भी मानकों से काफी कम रखी गई है। यदि कोई ऊंचा भारी वाहन यहां से गुजरता है, तो हाईटेंशन लाइन से टकराना तय है। क्या प्राक्कलन बनाने वाले इंजीनियर को यह तकनीकी बारीकियां नहीं पता थीं, या फिर ऊपरी कमाई के चक्कर में आंखों पर पट्टी बांध ली गई?

भुगतान पर लगे रोक, नपें भ्रष्ट चेहरे: जितेन्द्र

सामाजिक कार्यकर्ता जितेन्द्र सिंह ने दोटूक कहा है कि यह तकनीकी लापरवाही नहीं, बल्कि मानव वध की तैयारी है। उन्होंने मांग की है कि टेंडर का पीक्यूआर और एस्टीमेट बनाने वाले इंजीनियर की भूमिका की जांच हो। लोहे की जगह सीमेंट के खंभे किसके आदेश पर लगाए गए, इसका खुलासा हो। जांच पूरी होने तक ठेकेदार के भुगतान पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई जाए।

लोकायुक्त के रडार पर विभाग के साहब

विद्युत वितरण कंपनी के भीतर चर्चा है कि इस प्रोजेक्ट में बंदरबांट की जड़ें काफी गहरी हैं। लोकायुक्त और ईओडब्ल्यू तक मामला पहुंचने से उन अधिकारियों में हडक़ंप है जिन्होंने बिना साइट वेरिफिकेशन के घटिया काम को हरी झंडी दे दी। जनता अब यह पूछ रही है कि क्या मप्र शासन के जीरो टॉलरेंस का असर इस बिजली विभाग पर होगा या भ्रष्ट इंजीनियर ऐसे ही जनता को मौत के जाल में फंसाते रहेंगे?

कलेक्टर ने तीन स्थानीय अवकाश किया घोषित

उमरिया। कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने वर्ष 2026 के लिए उमरिया जिला अंतर्गत संपूर्ण सीमा क्षेत्र के शासकीय कर्मचारियो के लिए तीन स्थानीय अवकाश घोषित किया है जिसमें 4 मार्च बुधवार होली का दूसरा दिन, 25 सितंबर शुक्रवार अनंत चतुर्दशी तथा 20 नवंबर शुक्रवार देवउठनी एकादशी शामिल है । उन्होने कहा है कि स्थानीय अवकाश जिले के सीमान्तर्गत समस्त शासकीय कार्यालयों पर लागू होंगे लेकिन यह अवकाश कोषालय, उप कोषालय एवं बैकों पर प्रभावशील नही होगे ।

समर्थन मूल्य पर उपार्जित धान का शीघ्रता से परिवहन करने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

उमरिया

खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 मे समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन का कार्य जिले में संचालित 44 धान उपार्जन केंद्रो के माध्यम से किया जा रहा है । समिति स्तर पर उपार्जन केंद्रों में कुल धान खरीदी 794599.24 क्विटल, रेडी ट्र- ट्रांसपोर्ट 653638.94 क्विटल, परिवहन धान 368898.80 क्विटल परिवहन हेतु शेष धान का मात्रा 335700.44 क्विटल है। परिवहन का प्रतिशत 52 है । जो कि अत्यंत कम है ।

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने मेसर्स पवन कुमार जैन एंड ट्रांसपोर्ट कंपनी खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 परिवहनकर्ता कैंप छतरपुर अधिकृत धान परिवहनकर्ता उमरिया से कहा है कि समिति स्तरीय धान उपार्जन केंन्द्रो से तत्काल अतिरिक्त वाहनो की व्यवस्था कर उपार्जित धान का त्वरित उठाव, परिदान कराकर वस्तु स्थिति से तीन दिवस के अंदर कार्यालय को अवगत कराएं एवं किए गए उठाव, परिदान धान उपार्जन केंद्रवार जानकारी प्रतिदिन इस कार्यालय को भिजवाना सुनिश्चित करें ।

पांडव कालीन शिव लहरा धाम में नववर्ष का उल्लास

आस्था दोस्ती और संगीत के संग हुआ भव्य आयोजन

हरिभूमि न्यूज बदरा/जमुना। नववर्ष की शुरुआत अनूपपुर जिले की कोयलांचल नगरी में स्थित प्रसिद्ध एवं पौराणिक शिव लहरा घाट पर श्रद्धा, उल्लास और पुरानी यादों के साथ की गई महाभारत काल से जुड़े इस पवित्र स्थल को लेकर मान्यता है कि अज्ञातवास के दौरान पांडव कुछ समय यहां ठहरे थे इसी ऐतिहासिक और आध्यात्मिक धरोहर शिव लहरा धाम में सैकड़ों लोगों ने नए वर्ष का स्वागत किया। दोस्तों के साथ एकत्र होकर बीते लम्हों को याद किया गया और यह भाव उभरा कि समय बदल जाता है, लेकिन सच्ची दोस्ती हमेशा कायम रहती है शिव लहरा धाम की शांति, प्राकृतिक सौंदर्य और भगवान शिव की कृपा के बीच नए साल की शुरुआत लोगों के लिए यादगार बन गई क्षेत्र में समय-समय पर मिलने वाले पौराणिक अवशेष और प्राचीन चिन्ह इस स्थल के ऐतिहासिक महत्व को और भी प्रबल करते हैं। इस नववर्ष आयोजन के मुख्य आयोजक मनोज सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष पसान एवं सांसद प्रतिनिधि रहे आयोजन में संतोष चौरसिया, टिंगू बरसईया, दिवाकर विश्वकर्मा, सचिन जायसवाल, निलेश मिश्रा, मृगेंद्र सिंह एवं डॉ. एस. के. मंडल सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक एवं युवा उपस्थित रहे सभी ने संगीत और आपसी सौहार्द के साथ नववर्ष का उत्सव मनाया। ज्ञात हो कि हर वर्ष नववर्ष के अवसर पर शिव लहरा धाम में दूर-दराज से श्रद्धालु और पर्यटक बड़ी संख्या में पहुंचते हैं इस अवसर पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर थाना प्रभारी विपुल शुक्ला अपनी टीम के साथ पूरे समय तैनात रहे पुलिस की सतर्कता और सहयोग के चलते आयोजन शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं खुशनुमा माहौल में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

बांधवगढ़ नेशनल पार्क में मिलेट्स मेले का हुआ शुभारंभ

उमरिया। बांधवगढ़ नेशनल पार्क में नए वर्ष के अवसर पर प्रतिवर्ष सैलानियों को संस्कृति और ट्रेडिशनल फूड को बढ़ावा देने के लिए ग्रामीण आजीविका मिशन की स्व सहायता समूह की दीदियों द्वारा मिलेट्स मेले का आयोजन बांधवगढ़ ताला में 6 जनवरी 2026 तक आयोजित किया गया है, जिसका शुभारंभ मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभय सिंह व्दारा किया गया । मेले में समूह की महिलाओं द्वारा, कुटकी की खीर, इंद्रहर की कढ़ी, सामा के चावल, मुनगा पत्ती भजिया, गुलाब जामुन रबड़ी, मुगौड़ी, बरा, चावल के आटे का चिल्ला आदि के स्टाल लगाए गए है जिसमें मानपुर, करकेली और पाली के समूहों द्वारा प्रतिभाग किया गया है । मेले में सैलानियों द्वारा मिलेट्स से बने पौष्टिक व्यंजनों का आनंद लिया जा रहा है ।

सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने कहा कि मेले के माध्यम से बांधवगढ टाईगर रिजर्व आने वाले सैलानियो को लोकल देशी व्यंजनों का स्वाद और लोकल परंपरा की जानकारी मिल सकेगी । मेले में जिला परियोजना प्रबंधक चंद्रभान सिंह, मेला प्रभारी तृप्ति गर्ग , विकासखंड प्रबंधक मानपुर पन्नालाल रजक, सहायक विकासखंड प्रबंधक मनोज सिंह, संतराम प्रजापति, चंद्रकला रजक, कृष्णपाल सिंह,दशरथ,मुकेश बर्मन,सतेंद्र निगम आदि उपस्थित रहे

नगर सहित क्षेत्र में ठंड का प्रकोप जारी

हरिभूमि न्यूज कोतमा। कोतमा नगर सहित क्षेत्र में ठंड का प्रकोप जारी है पिछले एक सप्ताह से तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है अधिकतम तापमान 10/20 सेल्सियस के बीच रहता है जिसके कारण दिन के समय भी ठंडी का एहसास होता रहता है। गलन भरी ठंड के कारण आम जनजीवन काफी प्रभावित है। सुबह से लेकर दिन भर बीच-बीच में ठंडी हवाएं लोगों को कप-कपाती है। शाम होते ही गलन भरी ठंड बढ़ जाती है लोगों को अलाव का सहारा भी लेना पड़ रहा है। नगर पालिका के द्वारा जगह-जगह अलाव की लकडियां भिजवाते हुए अलाव की व्यवस्था करवाई गई है। शीत लहर चलने एवं गलन भरी ठंड का दौर अभी जारी रहेगा। ठंड से सबसे अधिक परेशानी बच्चों एवं बुजुर्गों को आ सकती है जिसको देखते हुए चिकित्सकों ने बचाव करने की सलाह दी है।

वर्षों से नहीं हुई पानी टंकियों की सफाई, बीमारियों का खतरा बढ़ा

हरिभूमि न्यूज चचाई। विद्युत नगरीक्षेत्र के नागरिकों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के दावे चचाई में खोखले साबित हो रहे हैं। केल्हौरी चचाई क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में स्थित लगभग 7 पानी की टंकियां है जिनकी कई वर्षों से सफाई नहीं हुई। टंकियों के अंदर गंदगी और काई जमा होने के कारण सप्लाई होने वाला पानी दूषित हो रहा है, जिससे हजारों लोगों के स्वास्थ्य पर खतरा मंडरा रहा है।

गंदगी के बीच सप्लाई हो रहा पानी

स्थानीय रहवासियों का कहना है कि नियमानुसार हर छह महीने में टंकियों की सफाई और ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव होना चाहिए। लेकिन चचाई में सालों से इनकी सफाई नही की गई कई टंकियों की हालत इतनी जर्जर है कि उनके ऊपर पक्षियों का मल और कचरा जमा रहता है, जो पानी में घुलकर सीधे लोगों के घरों तक पहुँच रहा है।

फैल सकती है गंभीर बीमारियाँ

दूषित पानी के सेवन से क्षेत्र में उल्टी, दस्त, पीलिया और टाइफाइड जैसी जलजनित बीमारियों के फैलने की आशंका बढ़ गई है। छोटे बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य को लेकर लोग डरे हुए हैं। बार-बार शिकायत के बावजूद जिम्मेदार सिविल विभाग ध्यान नही देता है विभाग जल्द ही इन सभी 7 टंकियों की वैज्ञानिक पद्धति से सफाई कराये, नहीं कराई गई, तो क्षेत्रवासी उग्र आंदोलन और चक्काजाम करने के लिए मजबूर होंगे। क्षेत्र के नागरिक, यूनियन कर्मचारी जनप्रतिनिधि संबंधित विभाग का ध्यानकर्शनण कराये, जिससे इंदौर जैसी घटना न हो।

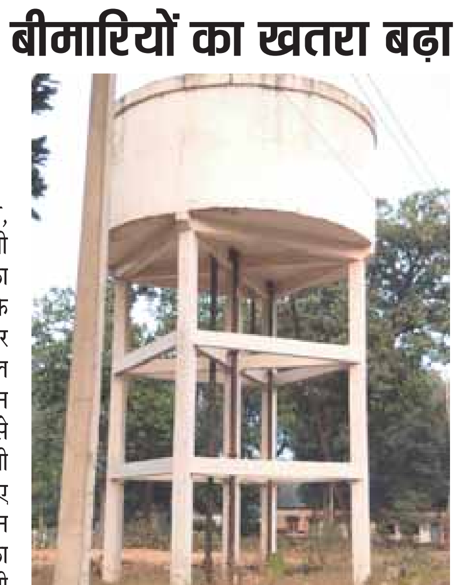

खबर संक्षेप

विद्युत नगरी चचाई में फुटबॉल टूर्नामेंट का भव्य आयोजन आज

हरिभूमि न्यूज चचाई। विद्युत नगरी चचाई के राजमाता स्टेडियम फुटबॉल ग्राउंड में आज 3 जनवरी से आयोजित यह टूर्नामेंट स्वर्गीय रमेश गुप्ता, स्वर्गीय भैया लाल रजक एवं स्वर्गीय जावेद जी की स्मृति में आयोजित किया जा रहा है। इस टूर्नामेंट के आयोजक फुटबॉल क्लब चचाई द्वारा जानकारी दी गई कि इस प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से करीब 25 टीमें हिस्सा ले रही हैं प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 21000 रुपए एवं ट्रॉफी जबकि द्वितीय पुरस्कार 11000 रुपए एवं ट्रॉफी दी जाएगी इस टूर्नामेंट के संरक्षक के रूप में समाजसेवी जितेंद्र सिंह होंगे इस टूर्नामेंट के प्रत्येक मैच दोपहर 12:00 से आयोजित किए जाएंगे।

जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ सदस्य पद हेतु भागवत सिंह तेकाम विजेता घोषित

अनूपपुर। राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार पंचायत उप निर्वाचन अंतर्गत जनपद पंचायत पुष्पराजगढ़ सदस्य क्षेत्र क्रमांक 04 पद हेतु 29 दिसंबर को संपन्न हुए मतदान में प्राप्त मतों की गणना जनपद पंचायत कार्यालय पुष्पराजगढ़ में आज सम्पन्न हुई। जिसके अनुसार जनपद पंचायत सदस्य पद हेतु तहसील पुष्पराजगढ़ के ग्राम करपा निवासी भागवत सिंह तेकाम विजेता घोषित किए गए। उन्हें 1355 मत प्राप्त हुए। जनपद सदस्य पद हेतु कोमल सिंह धुर्वे को 1013, राजेश कुमार बैगा को 871 तथा नोटा में 227 मत प्राप्त हुए।

वीरासन देवी और महादेवी मंदिर में उमड़े श्रद्धालु

सिलौंडी। नव वर्ष 2026 के प्रथम दिन सिलौंडी क्षेत्र के सभी मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ लग गईं। क्षेत्र के सबसे प्रसिद्ध देवी दरबार मां वीरासन कचनारी और महादेवी मंदिर दशरमन में सुबह से ही भक्त की लंबी लाइन लग गई । कटनी के अलावा आस पास के जिलों के भक्तों ने आकर मां वीरासन देवी का पूजन अर्चन किया। नव वर्ष में हर साल तीन दिवसीय मेला मां वीरासन देवी मंदिर में लगता है जिसकी शुरुवात भी हो गई । लोगों ने अपने परिवार सहित मां वीरासन देवी और महादेवी मंदिर का दर्शन पूजन अर्चन किया। सिलौंडी में भी बालाजी मंदिर, श्रीराम मंदिर, श्रीराम बाग, बड़ी मढिया, छोटी मढिया, बड़े हनुमानजी मंदिर, छोटे हनुमान मंदिर, जैन मंदिर सहित सभी मंदिरों में बच्चो बुजुर्ग महिलाओं ने नव वर्ष 2026 पर दर्शन कर पुण्य लाभ लिया ।

प्रतिष्ठान संचालक पर 20 हजार का जुर्माना

कटनी। न्याय निर्णायक अधिकारी व अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी नीलांबर मिश्रा ने अमानक दही के विक्रय व संग्रहण के विरूद्ध कार्यवाही करते हुये प्रतिष्ठान संचालक पर 20 हजार रुपये का आर्थिक दण्ड लगाया गया है। अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी द्वारा जारी आदेश में अर्जित अनुचित लाभ एवं उल्लंघन की पुनरावृत्ति को दृष्टिगत रखते हुए खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 के तहत कार्यवाही करते हुए श्री सांई प्रकाश सलूजा पिता स्व. राज सिंह सलूजा फर्म पंजाब डेयरी, विश्राम बाबा वार्ड, सुधार न्यास कॉलोनी को अमानक एवं मिथ्याछाप दही का संग्रहण एवं विक्रय करने पर 20 हजार रूपये के आर्थिक दंड से दंडित किया गया है। अनावेदक को अर्थदंड की राशि में 30 दिवस के भीतर जमा कर चालान की प्रति इस न्यायालय में जमा करने हेतु निर्देशित किया गया है। राशि जमा न करने की दशा में लोक धन शोध अधिनियम के तहत राशि की वसूली की जावेगी।

समस्याओं के निराकरण हेतु शिविर

कटनी। नगर निगम कटनी कार्यालय में कार्यरत एवं सेवानिवृत्त हो चुके अधिकारी-कर्मचारियों के पेंशन प्रकरण, परिवार कल्याण निधि, ई.पी.एफ, ई.एस.आई.सी, जी.पी.एफ, एन.पी.एस, यू.ए.एन तथा विधि संबंधी समस्याओं के निराकरण हेतु निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार के निर्देश पर प्रातः 11 बजे से सायं 5 बजे तक नगर निगम के मेयर इन काउंसिल सभाकक्ष में शिविर का आयोजन किया गया है।

गंदे पानी की निकासी पर बवालः शिकायत करना पड़ा भारी

आरटीआई एक्टिविस्ट को जान से मारने की धमकी

धनपुरी में दहशत का माहौल, पीड़ित की सुरक्षा को लेकर थाने में शिकायत दर्ज

बुढार। धनपुरी (शहडोल)। नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 16 में गंदे पानी की अव्यवस्थित निकासी को लेकर उपजा विवाद अब गंभीर रूप लेता जा रहा है। मोहल्ले में फैली गंदगी और बदबू के खिलाफ आवाज उठाना एक प्रतिष्ठित नागरिक और आरटीआई एक्टिविस्ट मोहम्मद असलम को भारी पड़ गया। शिकायत के बाद उन्हें खुलेआम जान से मारने की धमकी दी गई, जिससे पूरे क्षेत्र में भय और आक्रोश का माहौल है।

वार्ड क्षेत्र में रहने वाले मोहम्मद मुस्तकीम, मोहम्मद नईम एवं मोहम्मद अनीश द्वारा अपने घरों से निकलने वाले गंदे पानी को सार्वजनिक मार्ग पर बहाया जा रहा है। इससे आम रास्ता कीचड़, बदबू और गंदगी से पट गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इससे आवागमन बाधित हो रहा है और संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ गया है।

शिकायत पर भड़के आरोपी, दी जान से मारने की धमकी

पीड़ित मोहम्मद असलम ने बताया कि उन्होंने कई बार समझाइश दी कि गंदा पानी नालियों में बहाया जाए, लेकिन आरोपियों ने उनकी बात अनसुनी कर दी। मजबूर होकर उन्होंने 29 दिसंबर को नगर पालिका धनपुरी में लिखित शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद जब नगर पालिका का कर्मचारी नोटिस देने पहुंचा, तो आरोपियों ने न सिर्फ नोटिस लेने से इनकार किया बल्कि धमकी देते हुए कहा कि "आज असलम को जान से मार देंगे।

इतना ही नहीं,मोहम्मद असलम के अनुसार, उन्हें खुलेआम गाली-गलौज कर डराने का प्रयास किया गया। उस समय वे घर पर अकेले थे, जबकि उनकी पत्नी पारिवारिक कारणों से नागपुर गई हुई थीं। जान का खतरा महसूस होने पर उन्होंने तत्काल थाने पहुंचकर पूरी घटना की लिखित शिकायत दर्ज कराई।

आरटीआई एक्टिविस्ट होने के कारण बनाया जा रहा निशाना

पीड़ित असलम नगर के जागरूक नागरिक और आरटीआई एक्टिविस्ट हैं। उनका कहना है कि जनहित में उठाई गई आवाज को दबाने के लिए उन्हें लगातार मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा है। शिकायत करने पर उल्टा उन्हें ही डराया जा रहा है, जिससे आम नागरिकों में भय का माहौल बन गया है।

नगर में बढ़ता आक्रोश, कार्रवाई की मांग

घटना के बाद मोहल्लेवासियों में भारी आक्रोश है। लोगों का कहना है कि यदि जल्द ही गंदे पानी की समस्या का समाधान नहीं हुआ और दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो वे सामूहिक आंदोलन के लिए मजबूर होंगे। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि पीड़ित की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और दोषियों पर कठोर कानूनी कार्रवाई हो।

अब देखना यह है कि प्रशासन इस गंभीर मामले में कितनी तत्परता दिखाता है और क्या आम नागरिकों को स्वच्छ वातावरण व सुरक्षा मिल पाएगी या नहीं।

वाहनों की जांच की गई मौके पर ब्रेथ एनालाइजर से बुढार थाना क्षेत्र में कोई घटना नहीं

बुढार। बुधवार 31 से लेकर नव वर्ष 1 जनवरी तक पुलिस की चौकसी से कोई भी वाहन दुर्धटना नहीं हुई साथ ही 31 की रात्रि नगर के कालेज तिराहे, लोहिया चौक,बस स्टैंड, जैतपुर चौराहे पर पुलिस बेरेकिट लगा कर ब्रेथ एनालाइजर से वाहन चलाते समय शराब पीकर चलाने वाले वाहन चालकों की जांच पड़ताल कर यातायात नियमों का पालन करने के लिए जागरूक किया। यातायात नियमों का पालन कराने पुलिस अधीक्षक राम जी श्रीवास्तव के निर्देशन थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार के द्वारा बुधवार एवं गुरुवार को नगर एवं कस्बे क्षेत्र में पुलिस पेट्रोलिंग गस्ती कराकर हर अपराधिक गतिविधियों पर पैनी नजर बनाए रखें जिससे कोई घटना दुघर्टना घटित नहीं हुई और जमकर लोगों ने नए साल का स्वागत किया।

वरिष्ठजनों के लिये उम्मीदों की किरण बना भरण-पोषण अधिनियम

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। वरिष्ठजनों के लिये भरण-पोषण अधिनियम-2007 सहायक बन कर सामने आया है। जिस प्रकार उम्र बढ़ने पर सहारे के लिये लाठी की आवश्यकता होती है, ठीक उसी प्रकार यह अधिनियम वरिष्ठजनों के लिये सहारे की लाठी बन कर उभरा है।

वरिष्ठ अभिभावकों की कठिनाइयाँ दूर करना उद्देश्य

अधिनियम का मुख्य उद्देश्य वरिष्ठजनों और अभिभावकों को समर्थन प्रदान करने वाली व्यवस्था की रचना करना है, जिससे वे एक विशेष ट्रिब्यूनल (अधिकरण) के समक्ष निर्धारित 90 दिन की समय-सीमा के अंदर भरण-पोषण के अधिकार को सुलभता और शीघ्रता से प्राप्त कर सकें।

माता-पिता और नागरिकों के लिये है अधिनियम

माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण तथा कल्याण अधिनियम-2007 प्रदेश में 23 अगस्त, 2008 से लागू है। इसमें वे अभिभावक और वरिष्ठ नागरिक जो अपनी आय अथवा सम्पत्ति द्वारा होने वाली आय से अपना भरण-पोषण करने में असमर्थ हैं, अपने वयस्क बच्चों अथवा संबंधियों से भरण-पोषण प्राप्त करने के लिये आवेदन कर सकते हैं। भरण-पोषण में समुचित भोजन, आश्रय, वस्त्र, चिकित्सा एवं मनोरंजन सुविधाएँ शामिल हैं।

दण्ड का है प्रावधान

भरण-पोषण ट्रिब्यूनल, वरिष्ठजनों का मासिक भरण-पोषण अधिकतम 10 हजार रूपये प्रतिमाह दिला सकता है। संतान वरिष्ठ परिजन की उपेक्षा अथवा परित्याग एक संज्ञेय अपराध है। इसके लिये पाँच हजार जुर्माना या तीन महीने की सजा या दोनों हो सकते हैं। अधिनियम में सहायता पाने के लिये वृद्धजन अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के समक्ष आवेदन कर सकते हैं।

नये वर्ष का जश्न मनाने हर किसी का रहा अपना अंदाज, मंदिर में पूजन अर्चन तो कहीं गूंजे भजन कीर्तन

पार्कों, पर्यटन स्थलों में रही भीड़, मंदिरों में टेका माथा

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

गुरूवार को जिले भर में नये वर्ष का सेलीब्रेट लोगों ने अपने-अपने तरीके से किया एवं जश्न मनाया। मंदिरों में भगवान के दर्शन कर आशीर्वाद लेने लोगों का सुबह से ही तांता लगा रहा। मंदिरों में विविध धार्मिक आयोजनों का कार्यक्रम चलता रहा। कहीं हवन-पूजन तो कहीं रामायण-भजन चलते रहे। कई मंदिरों में भंडारे का भी आयोजन किया गया। नये साल पर युवा टोलियों ने जमकर मौज-मस्ती की। दिन भर पार्कों व पिकनिक स्पाटो पर चहल-पहल बनी रही। नगर के पार्कों में सबसे ज्यादा भीड़ नजर आई। नगर के आक्सीजन टेंक जाग्रति पार्क में बच्चों से लेकर युवा व महिलाओं ने जमकर लुत्फ उठाया। बच्चों ने झूला और घिसलपट्टी का आनंद लिया। नये साल में स्कूलों में शीतलकाल अवकाश होने से बच्चों ने भी जमकर लुत्फ उठाया। नये वर्ष को सेलीब्रेट करने के लिए कोई परिवार सहित घूमने के लिए निकला तो किसी ने धार्मिक स्थलों पर जाकर पूजा अर्चना की और पिकनिक का आनंद उठाया। न्यू ईयर को लेकर सामूहिक आयोजन भी हुए। दोस्तों एवं रिश्तेदारों के साथ पिकनिक में जाकर सहभोज का आनंद लिया। युवाओं ने दोस्तों संग जमकर सेलीब्रेट किया। होटलों, रेस्टारेंटों व ढाबों में भी लोगों ने एंजाय किया। बीते वर्ष की अपेक्षा इस वर्ष अच्छी चहल पहल भी रही। लोगों ने खूब इंज्वाय किया। नए साल का पहले दिन लोगों ने पिकनिक स्पॉट और देवालयों में पहुंचकर नए साल को सेलीब्रेट किया। इसके अलावा विजयराघवगढ़ के शारदा माता मंदिर, मैहर तथा बांदकपुर के लिए भी लोग निकले।

नये वर्ष में किसी तरह की अप्रिय घटना या वारदात न हो और सुरक्षा व्यवस्था में खलल न पड़े इसके लिए बुधवार की देर शाम से ही पुलिस का सख्त पहरा रहा। यह अच्छी बात रही कि इस बार नववर्ष पर कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। नये वर्ष के जश्न में चोरी-छिपे रात्रि में ही जाम से जाम टकराने का दौर भी चला। देर शाम देशी तथा अंग्रेजी शराब की दुकानों में भीड़ भी देखी गई। हालांकि पुलिस की सख्ती ने सुराप्रेमियों को हुड़दंगी करने की मंशा पर काफी हद तक पानी फिर गया। चौराहे-चौराहे पुलिस तैनात कर दी गई थी।

रूपनाथ धाम और बांधा मंदिर में सुबह से लगा श्रद्धालुओं का तांता

नये वर्ष पर सुबह से ही मंदिरों, देवालयों में लोगो की भीड़ दर्शन करने उमड़ी। लोगो ने भगवान की पूजा अर्चना कर सुख समृद्धि व खुशहाली की कामना की। बहोरीबंद के प्रसिद्ध रुपनाथ धाम मैं अल सुबह से देर शाम तक लोगो की भीड़ उमड़ी। लोगो ने भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना की साथ पर्यटन का भी आंनद लिया।सपरिवार भी लोग पहुँचे। लोगो ने वनभोज का भी आंनद लिया। रुपनाथ मैं नूतन वर्ष मैं मेला जैसा नजारा था। सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस बल मौजूद रहा। वही तिंगवा स्थित शारदा व कालका मंदिर,खडरा स्थित शारदा मन्दिर मे नूतन वर्ष मैं लोगो ने मत्था टेका।

सप्ताह में एक दिन संचालित होता है कार्यालय

प्रभारी के भरोसे चल रहा उपपंजीयक कार्यालय

हरिभूमि न्यूज कोतमा

तहसील कोतमा में जमीनों की रजिस्ट्री के लिए किसान व आम लोगों को कोतमा तहसील उपपंजीयक कार्यालय के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। वजह यह है कि रजिस्टार के बैठने का तय दिन सिर्फ बुधवार का दिन है, तय दिन में न आने से अव्यवस्था का आलम यह है कि 40-50 किमी दूर से कार्यालय पहुंचने वाले लोगों को समय पर रजिस्ट्री नहीं होने से बैरंग लौटना पड़ रहा है। अधिकारियों के इस रवैये से किसानों में आक्रोश है। ऐसी स्थिति में कार्यालय पहुंचे रहे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

जिम्मेदार नदारद, सुबह से पहुंचे रहे किसान होते रहे परेशान

किसानों की शिकायत पर हमारी टीम उपपंजीयक कार्यालय पहुंची, जहां रजिस्ट्री के लिए 10 से अधिक पक्षकार कार्यालय पहुंचे थे, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी-कर्मचारी के न रहने से लोग परेशान दिखे। जब किसानों से बात की गई तो उन्होने बताया कि वर्षों से यही हालात बने हुए हैं। सप्ताह में एक दिन रजिस्टार बैठते हैं वह भी बिचौलियों के कार्य से ही फुर्सत नहीं होते।

वादों में डिजिटल इंडिया, हकीकत में ताले

स्थानीय नागरिकों और अधिवक्ताओं ने इस गंभीर स्थिति पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि एक तरफ सरकार डिजिटल इंडिया और ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन जैसे वादे करती है वहीं जमीनी हकीकत यह है कि कोतमा तहसील का उप पंजीयन कार्यालय ही लगभग वर्षो से नियमित संचालित नहीं हो रहा है, क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों अधिवक्ताओं एवं नागरिकों ने जिला प्रशासन और राज्य शासन से कोतमा उप पंजीयन कार्यालय में तत्काल नियमित रूप से पंजीयक की प्रतिस्थापना की मांग की है ताकि क्षेत्रवासियों को राहत मिल सके।

सप्ताह मे एक दिन हो रहा काम

उप पंजीयक कार्यालय मे अब बुधवार सप्ताह मे एक दिन अनुपपुर के पंजियक आकर कोतमा पंजियक कार्यालय का काम संभाले है जिसके कारण लोगों को परेशानी से निजात नही मिलने वाली है। जबकि यह क्षेत्र काफी बड़ा होने के साथ ही कोयलांचल एवं आदिवासी क्षेत्र है। बुधवार को अनुपपुर से अधिकारी रजिस्ट्री का कार्य देख रहे हैं वो भी सप्ताह मे मात्र एक दिन ही बैठेंते है जिससे कार्य नही हो पा रहा यहां के लोगों को 40 किलोमीटर दूर अनुपपुर जाना पड़ रहा है जिससे समय के साथ ही पैसा भी खर्चहो रहा है। नियमित रूप से पंजियक की नियुक्ति शासन स्तर पर होनी चाहिए।

इनका कहना है

मुझे इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है।
टी.आर. नाग
अनुविभागी अधिकारी कोतमा

शासकीय कार्य में बाधा, मारपीट व जान से मारने की धमकी का मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम अमगवां में शासकीय कार्य में बाधा डालने, गाली-गलौज, मारपीट एवं जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी वृंदावन सिंह श्याम पिता गोकुल सिंह श्याम (50 वर्ष), निवासी ग्राम अमगवां वार्ड क्रमांक 02 ने थाना अमरकंटक में लिखित आवेदन प्रस्तुत किया। आवेदन में उन्होंने बताया कि वे बूथ लेवल अधिकारी के रूप में शासकीय दायित्व का निर्वहन कर रहे हैं। 01 जनवरी गुरुवार को लगभग दोपहर 2 बजे वे अपने मोहल्ले में फली सिंह पिता बिकनु सिंह के घर के सामने बैठकर मतदाता गहन पुनरीक्षण का कार्य

कर रहे थे तथा सूची का मिलान कर रहे थे। इसी दौरान ग्राम निवासी चिंताराम सिंह पिता कुंवर सिंह वहां पहुंचा और उनसे यह कहते हुए विवाद करने लगा कि वे उसके यहां क्यों आए हैं और रिकॉर्ड क्यों मांग रहे हैं। आरोप है कि इसके बाद आरोपी ने मां-बहन की अश्लील गालियां दीं तथा फरियादी से लिपटकर हाथ-मुक्कों से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। घटना के दौरान नारद सिंह, तुलसीराम सिंह, बंती बाई, दुकलु सिंह, विकनू सिंह एवं सगुना बाई मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव कर मामला शांत कराया, जिसके बाद आरोपी अपने घर चला गया। फरियादी ने अपने आवेदन में स्पष्ट किया है कि घटना के समय वे बूथ लेवल अधिकारी के रूप में शासकीय कार्य कर रहे थे और आरोपी द्वारा जानबूझकर शासकीय कार्य में बाधा पहुंचाई गई। पुलिस ने फरियादी के आवेदन के आधार पर आरोपी चिंताराम सिंह के खिलाफ धारा 121(1), 132, 296, 115(2), 351(3) बीएनएस के तहत अपराध कायम कर मामले को विवेचना में ले लिया है। पुलिस का कहना है कि प्रकरण की जांच की जा रही है तथा जांच उपरांत आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुष्पराजगढ़ विधायक ने इंदौर की घटना पर जताई गहरी चिंता, सरकार को घेरा

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक।

इंदौर में हाल ही में घटी गंभीर घटना को लेकर पुष्पराजगढ़ विधायक ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह घटना न केवल कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है, बल्कि आम नागरिकों की सुरक्षा को लेकर सरकार की तैयारियों की भी पोल खोलती है। विधायक ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि इंदौर जैसी प्रमुख और विकसित मानी जाने वाली नगरी में इस तरह की घटना होना बेहद चिंताजनक है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में अपराधों का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है, लेकिन

सरकार केवल आंकड़ों की बाजीगरी में व्यस्त है। जमीनी स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के ठोस प्रयास नजर नहीं आ रहे हैं। उन्होंने पीड़ति परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार को तत्काल दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए और पीड़ितों को त्वरित न्याय एवं उचित मुआवजा दिया जाना चाहिए। विधायक ने यह भी मांग की कि घटना की निष्पक्ष जांच कराई जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। विधायक ने आगे कहा कि प्रदेश में पुलिस बल की कमी, संसाधनों का अभाव और प्रशासनिक उदासीनता के कारण अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। सरकार यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाती, तो आम जनता का भरोसा पूरी तरह टूट जाएगा। अंत में उन्होंने सरकार से कानून-व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने, पुलिस व्यवस्था को सुदृढ़ करने और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि सरकार ने शीघ्र ठोस कदम नहीं उठाए, तो विपक्ष सड़कों पर उतरकर जनहित की लड़ाई लड़ेगा।

लोकायुक्त जांच की मांग

अनूपपुर/जैतहरी मार्ग पर 33 केवी लाइन में भारी अनियमितता के आरोप

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अनूपपुर/जैतहरी मुख्य मार्ग पर 33 केवी हाईटेंशन लाइन के विस्तार कार्य में गंभीर अनियमितताओं के आरोप सामने आए हैं। इस संबंध में सामाजिक कार्यकर्ता एवं नगर परिषद जैतहरी के वार्ड क्रमांक 11 निवासी जितेन्द्र सिंह ने लोकायुक्त, ऊर्जा विभाग और विद्युत वितरण कंपनी के वरिष्ठ अधिकारियों को शिकायत पत्र भेजकर ठेकेदार व संबंधित इंजीनियरों की भूमिका की जांच लोकायुक्त विशेष स्थापना पुलिस या आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो से कराने की मांग की है। शिकायत पत्र में आरोप लगाया गया है कि अनूपपुर जिले की विद्युत वितरण कंपनी द्वारा अनूपपुर से जैतहरी मार्ग पर 33 केवी लाइन का विस्तार कार्य निविदा शर्तों और सुरक्षा मानकों के विपरीत कराया जा रहा है। हाईटेंशन लाइन के लिए जहां लोहे के मजबूत खंभे लगाए जाने चाहिए थे, वहां कमजोर और गुणवत्ताविहीन सीमेंट के खंभे लगाए गए हैं।

इतना ही नहीं, खंभों की ऊंचाई भी निर्धारित मानकों से कम रखी गई है, जिससे किसी भी समय गंभीर दुर्घटना की आशंका बनी हुई है।

पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि अनूपपुर/जैतहरी मार्ग अत्यंत व्यस्त और भारी वाहनों की आवाजाही वाला मार्ग है। जैतहरी स्थित मोजर वेयर कंपनी से लगातार भारी मशीनें और फ्लाई ऐश का परिवहन होता है। ऐसे में सड़क से सटे भू-भाग में 33 केवी जैसी उच्च धारा प्रवाह वाली लाइन के खंभे लगाना दुर्घटना को आमंत्रण देने जैसा है। नियमों के अनुसार विद्युत खंभे सड़क से कम से कम 10 मीटर दूर और इतनी ऊंचाई पर लगाए जाने चाहिए कि भारी वाहनों से न्यूनतम 5 मीटर की अतिरिक्त दूरी बनी रहे, लेकिन मौके पर स्थिति इसके ठीक उलट बताई गई है।

सामाजिक कार्यकर्ता जितेन्द्र सिंह ने अपने बयान में कहा, "यह केवल तकनीकी लापरवाही नहीं बल्कि मानव जीवन के साथ सीधा खिलवाड़ है। यदि समय रहते इस कार्य की जांच कर सुधार नहीं किया गया तो किसी बड़ी दुर्घटना से इंकार नहीं किया जा सकता। ठेकेदार और इंजीनियरों की मिलीभगत से घटिया काम कर भुगतान लेने की कोशिश की जा रही है, जिसका खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ सकता है।" उन्होंने मांग की है कि टेंडर का प्राक्कलन, पीक्यूआर किस इंजीनियर ने बनाया, लोहे के खंभों के स्थान पर सीमेंट के खंभे क्यों लगाए गए, लाइन सड़क से सटे क्षेत्र में किसके निर्देश पर डाली गई और खंभों की ऊंचाई व मजबूती में लापरवाही क्यों बरती गई इन सभी बिंदुओं की निष्पक्ष जांच कराई जाए। साथ ही जांच पूरी होने तक ठेकेदार के भुगतान पर रोक लगाने की भी मांग की गई है।

जैतहरी एंव वेंकटनगर पुलिस टीम द्वारा कार्यवाही कर क्रूरता के शिकार दो मामलों में 12 नग मवैशी 2 पीकअप वाहन जप्त

हरिभूमि न्यूज जैतहरी।

01 जनवरी की दरम्यानी रात्रि मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि पीकअप वाहन मे कई पशु क्रूरता पूर्वक बांधकर पेड्रा रोड तरफ से जैतहरी-अनूपपुर तरफ परिवहन कर ले जा रहे है सूचना को गम्भीरता से लेते हुये थाना जैतहरी पुलिस द्वारा ग्राम लपटा मे घेराबंदी की गई जो कुछ देर बाद एक पिकअप वाहन बिना नम्बर पैंड्रा रोड तरफ से आते हुआ दिखा जिसे थाना जैतहरी पुलिस द्वारा रोकने का प्रयास किया तो पीकअप चालक पुलिस को देखकर पीकअप को लपटा गांव अंदर के सतखण्डा जंगल तरफ वाहन को बडी तेजी से भगाते हुये ले गये जिसका पीछा किया तो पिकअप का चालक वाहन को लपटा के सतखण्डा जंगल मे छोड़कर वाहन का चालक जंगल एवं अंधेरा का फायदा उठाकर छिपते हुए भाग गया बाद उक्त पीकअप को थाना जैतहरी पुलिस द्वारा समक्ष गवाहान के चेक करने पर बिना नम्बर की पीकअप के अंदर कुल 06 मवेशी भैसे किमत लगभग 1,05,000 रू क्रूरता पूर्वक बंधे हुये है एंव

पिकअप कीमत करीबन 05 लाख रुपये कुल मसरुका 6,0,5000 रुपये को विधिवत मौके से जप्त कर कब्जे पुलिस लिया गया। बिना नम्बर पिकअप के चालक का कृत्य कृषक पशु परिरक्षण एक्ट तथा पशु क्रूरता अधि. के तहत दंडनीय पाये जाने से अज्ञात चालक के विरुद्ध उपरोक्त धारा का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। इसी प्रकार मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि एक पिकअप वाहन रजिस्ट्रेशन नम्बर यूपी 12 सीटी 1746 मे पडवा (मवेशी) ठूस ठूस कर भरे हुये है जिनको गौरेला पैण्ड्रा तरफ से परिवहन कर लाया जा रहा है सूचना उपरांत चौकी वेंकटनगर के सामने घेराबंदी कर पीकअप का इंतजार किया जैसे ही वाहन चौकी सामने पहुंचा जिसको रूकवाने पर नही रूका जिसका तत्काल पीछा किया जो पीकअप वाहन को लपटा के जरेली जंगल तरफ वाहन को बडी तेजी से भगाते हुये ले गये जिसका पीछा किया तो चालक उक्त पीकप वाहन को जंगल मे छोड़कर कर भाग गया उक्त पीकअप को पु.स.के. वेंकटनगर थाना जैतहरी पुलिस द्वारा मौके पर उपस्थित गवाह के चेक करने पर बिना नम्बर की पीकअप के अंदर 06 नग पडवा किमती लगभग 03 लाख रू के रस्सी से ठूंश ठूस कर क्रूरता पूर्वक बंधे हुये थे एंव पिकअप कीमती करीबन 07 लाख रुपये कुल मसरुका 10 लाख रुपये को विधिवत मौके से जप्त कर कब्जे पुलिस लिया गया। पीकअप वाहन रजिस्ट्रेशन क्र यूपी 12 सीटी 1746 के चालक का कृत्य म.प्र. कृषक पशु परिरक्षण अधि. तथा पशु क्रूरता अधि. के तहत दंडनीय पाया गया चालक के विरुद्ध का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। इस प्रकार थाना जैतहरी पुलिस द्वारा एक दिन मे दो मामलों में कुल 12 नग मवेशी कीमती करीब 4,05,000 रू कुल 02 नग पीकअप किमती 12 लाख रू कुल मश्रूका किमती 16,5,000 रू जप्त कर विवेचना की जा रही है। उक्त कार्यवाही मे पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनूपपुर एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अनूपपुर के मार्गदर्शन मे थाना जैतहरी के थाना प्रभारी निरी. अमर वर्मा, उनि अमरलाल यादव, उनि प्रवीण साहू, सउनि सुरेश अहिरवार, सउनि जयसिंह, सउनि. सुरेश कोरी, चा.प्रआर 165 संतोष जायसवाल, आर 312 मनीष सिंह तोमर, आर 288 विजय टाटू, आर 281 सोनू पर्ते की सराहनीय भूमिका रही।

साल की पहली जीएम समन्वय बैठक में सीएमडी हरीश दुहन ने बेहतर योजना और निर्णायक क्रियान्वयन पर दिया जोर

चार घंटे से अधिक चली मैराथन बैठक में अंतिम तिमाही के लक्ष्यों एवं आगामी योजना पर हुआ गहन मंथन

हरिभूमि न्यूज राजनगर। साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की वर्ष 2026 की पहली जीएम समन्वय बैठक 02 जनवरी को आयोजित की गई। चार घंटे से अधिक समय तक चली इस मैराथन बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक हरीश दुहन ने की। बैठक में वित्तीय वर्ष की अंतिम तिमाही एवं आगामी वर्ष के लिए उत्पादन, उत्पादकता, योजना और समन्वय से जुड़े सभी पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

सीएमडी श्री दुहन ने सभी क्षेत्रों और विभागों से आह्वान किया कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए अंतिम तिमाही में हर संभव प्रयास पूरे संकल्प और प्रतिबद्धता के साथ किए जाएँ। उन्होंने कहा, "लक्ष्य प्राप्ति के लिए हमें हर संभव प्रयास करना होगा। हमारी टीम पर मुझे पूरा भरोसा हैकृहम हर चुनौती का सामना करने और जीत हासिल करने में सक्षम हैं। उन्होंने बेहतर योजना, समयबद्ध निर्णय, संसाधनों के प्रभावी उपयोग और टीमवर्क पर विशेष जोर देते हुए कहा कि संगठित प्रयास ही सतत प्रदर्शन की कुंजी है।

बैठक के आरंभ में सीएमडी श्री दुहन द्वारा वीसी के माध्यम से सीडब्ल्यूएस कोरबा द्वारा विकसित 3.3 केवी एचटी मोटर टेस्ट फैसिलिटी का शुभारंभ किया गया। इसके साथ ही मुख्यालय सिस्टम विभाग द्वारा विकसित पोर्टल, जिसके माध्यम से कर्मचारियों के सेवा अभिलेखों का डिजिटलीकरण किया गया है, तथा अतिथि पोर्टल का भी लोकार्पण किया गया। ये दोनों डिजिटल पहल प्रशासनिक दक्षता, पारदर्शिता और सुगमता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। समन्वय बैठक में निदेशक (तकनीकी संचालन)एन. फ्रैंकलिन जयकुमार, निदेशक (मानव संसाधन) बिरंची दास, निदेशक (वित्त) डी. सुनील कुमार, मुख्य सतर्कता अधिकारी हिमांशु जैन तथा निदेशक (तकनीकी योजना/परियोजना) रमेश चंद्र महापात्र सहित विभिन्न विभागाध्यक्ष एवं क्षेत्रीय महाप्रबंधक उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान हाल ही में आईआईटीदृआईएसएम धनबाद एवं ईसीएल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कॉन्फ्रेंस में सीएमडी हरीश दुहन के शोध पत्र को उत्कृष्ट योगदान के लिए प्राप्त स्मृति-चिह्न एवं प्रशस्ति-पत्र निदेशक मण्डल द्वारा सौंपा गया। इसके साथ ही, कॉन्फ्रेंस में शोध पत्र प्रस्तुत करने के लिए अजय तिवारी, महाप्रबंधक (यूजी) तथा रमेश बसंत सिंधुर, महाप्रबंधक (खनन)/अ.प्र.नि के तकनीकी सचिव को सीएमडी श्री दुहन के कर-कमलों से प्रशस्ति-पत्र प्रदान किया गया। बैठक के अंत में दिसंबर माह में मुख्यालय से सेवानिवृत्त हुए दीपक पंड्या, महाप्रबंधक (खनन) को शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

अपर कलेक्टर ने पटवारी हल्का उमरदा पर की 5000 रु. की शास्ति अधिरोपित

हरिभूमि न्यूजअनूपपुर। अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय ने जनसुनवाई में आए तहसील कोतमा के ग्राम मझटोलिया निवासी आवेदक शालिक राम केवट के भूमि के सीमांकन संबंधी प्रकरण का जन आकांक्षा पोर्टल में समाधानकारक संतुष्टिपूर्वक निराकरण दर्ज नही करने तथा आवेदक को अनावश्यक रूप से परेशान करने तथा शिकायत के निराकरण पर अनावश्यक विलम्ब करने पर तहसील कोतमा के पटवारी हल्का उमरदा अनिल वर्मा पर 5 हजार रुपये की शास्ति अधिरोपित की है। उन्होंने पटवारी को अधिरोपित शास्ति की राशि अनिवार्य रूप से जिला रेडक्रास सोसायटी के बैंक खाता में जमा कराते हुए जमा राशि की पावती कलेक्ट्रेट स्थित लोक सेवा प्रबंधन कार्यालय में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के बच्चों के लिए श्रमोदय विद्यालयों में प्रवेश हेतु ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। श्रम पदाधिकारी अनूपपुर ने बताया है कि म.प्र. भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल, भोपाल द्वारा प्रदेश के पंजीकृत निर्माण श्रमिकों के पुत्र-पुत्रियों के लिए श्रमोदय आवासीय विद्यालय भोपाल, इंदौर, जबलपुर एवं ग्वालियर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 हेतु कक्षा 6 वीं, 7 वीं, 8 वीं एवं 9 वीं में प्रवेश के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इच्छुक विद्यार्थी 20 जनवरी तक ऑनलाईन पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा 08 फरवरी को आयोजित की जाएगी। परीक्षा के प्रवेश पत्र मध्यप्रदेश राज्य मुक्त स्कूल शिक्षा बोर्ड के पोर्टल उचेवे.दपब.पद से डाउनलोड किए जा सकेंगे। जिले के सभी पंजीकृत निर्माण श्रमिकों से अपील की गई है कि वे अपने पात्र पुत्र-पुत्रियों को इस प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित कराकर म.प्र. भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल द्वारा संचालित निःशुल्क आवासीय श्रमोदय विद्यालयों में अध्ययन का अवसर प्रदान करें।

पर्यावरण संरक्षण विभाग द्वारा जनसुनवाई की सूचना, ग्रामीणों से सक्रिय सहभागिता की अपील

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले के रक्सा/कोलमी क्षेत्र में प्रस्तावित औद्योगिक परियोजना के संबंध में पर्यावरणीय स्वीकृति प्रदान करने की प्रक्रिया के तहत पर्यावरण संरक्षण विभाग, मध्य प्रदेश द्वारा 7 जनवरी 2026 को पर्यावरण जनसुनवाई का आयोजन किया जाना सुनिश्चित किया गया है। यह जनसुनवाई न्यू जोन इंडिया एवं (टोरंट पावर प्राइवेट लिमिटेड) द्वारा प्रस्तावित परियोजना के लिए आयोजित की जा रही है। पर्यावरण संरक्षण विभाग द्वारा पर्यावरण प्रभाव आकलन अधिसूचना, 2006 के प्रावधानों के अंतर्गत यह जनसुनवाई आयोजित की जा रही है, जिसका उद्देश्य परियोजना से संभावित पर्यावरणीय, सामाजिक एवं स्थानीय प्रभावों पर आमजन की राय, सुझाव एवं आपत्तियाँ प्राप्त करना है।

जनसुनवाई की सूचना हेतु व्यापक प्रचार अभियान

पर्यावरण संरक्षण विभाग द्वारा जनसुनवाई की जानकारी अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने के लिए प्रचार वाहन के माध्यम से व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

इस अभियान के अंतर्गत प्रभावित ग्राम रक्सा, कोलमी सहित आसपास के सभी ग्रामों में मुनादी एवं लाउडस्पीकर के माध्यम से सूचना प्रसारित की जा रही है। प्रचार वाहन पर स्पष्ट रूप से यह जानकारी अंकित की गई है कि परियोजना हेतु पर्यावरणीय स्वीकृति के लिए लोक सुनवाई आयोजित की जा रही है। परियोजना प्रस्तावक न्यू जोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड/टोरंट पावर प्राइवेट लिमिटेड स्थान ग्राम रक्सा कोलमी, जिला अनूपपुर (मध्य प्रदेश) दिनांक 07 जनवरी 2026।

सामान्य नागरिकों से सहभागिता की अपील

पर्यावरण संरक्षण विभाग द्वारा परियोजना प्रभावित ग्रामीणों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों एवं आम नागरिकों से अपील की गई है कि वे जनसुनवाई में उपस्थित होकर अपने विचार, सुझाव एवं आपत्तियाँ प्रस्तुत करें। जनसुनवाई में व्यक्त किए गए सभी सुझावों को अभिलेखित कर पर्यावरणीय स्वीकृति की प्रक्रिया में सम्मिलित किया जाएगा।

पारदर्शिता एवं जनभागीदारी पर बल

पर्यावरण संरक्षण विभाग ने स्पष्ट किया है कि जनसुनवाई की प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी, लोकतांत्रिक एवं विधिसम्मत है। इसका मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि किसी भी परियोजना के क्रियान्वयन से पूर्व स्थानीय समुदाय की चिंताओं, अपेक्षाओं और पर्यावरणीय संरक्षण के पहलुओं पर गंभीरता से विचार किया जाए। पर्यावरण संरक्षण विभाग ने पुनः सभी नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर जनसुनवाई में अपनी सक्रिय सहभागिता निभाएँ और पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास की दिशा में सहयोग प्रदान करें।

अमरकंटक रिसोर्ट में युवती ने फांसी लगाकर दी जान, मर्ग कायम

हरिभूमि न्यूज अमरकंटक। थाना क्षेत्र अंतर्गत बांधा/ कपिलधारा मार्ग पर स्थित एक रिसोर्ट में युवती द्वारा आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर पंचनामा कार्रवाई करते हुए जांच प्रारंभ कर दी है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार अमरकंटक रिसोर्ट के मैनेजर व व्यवस्थापक प्रकाश पांडे पिता सुरेश पांडे, उम्र 34 वर्ष, निवासी अमरकंटक ने थाने में सूचना दी कि 01 जनवरी को रिसोर्ट में किराए पर लिए गए कमरा नंबर 4 में एक युवती ठहरी हुई थी। युवती की पहचान कंचन कुमारी पिता महेश चंद्र, उम्र 19 वर्ष, निवासी श्रीनगर कॉलोनी, एसकेडी मॉडर्न इंटर कॉलेज वाली गली, कोरासी, एटा बाईपास रोड, कोल, जिला अलीगढ़ (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। बताया गया कि सुबह करीब 10 बजे जब रिसोर्ट स्टाफ द्वारा कमरे का दरवाजा खटखटाया गया, तो अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। संदेह होने पर खिड़की की ओर से झांककर देखा गया, जहां युवती कमरे के सीलिंग फैन में अपने दुपट्टे से फांसी लगाकर लटकी हुई दिखाई दी। घटना की सूचना तत्काल अमरकंटक थाना पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक पंचनामा कार्रवाई करते हुए शव को नीचे उतरवाया। इस मामले में पुलिस ने मर्ग क्रमांक 01/26 धारा 194 बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया है। युवती द्वारा यह कदम किन परिस्थितियों में उठाया गया, इसकी जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं अन्य तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

नाम परिवर्तन की सूचना

सर्वसाधारण को एतद् द्वारा किया जाता है कि मेरा नाम लीला सरकार को बदल कर "नीला सरकार" (NEELA SARKAR) रख लिया है। अतः भविष्य में मेरे को "नीला सरकार" (NEELA SARKAR) से पहचाना जावे। सो विदित होवे।

पुराना नाम- लीला सरकार
नया नाम - नीला सरकार
W/o बलई सरकार
वार्ड नं. 6 मेन रोड जमुना कालरी, हरद अनूपपुर (म.प्र.)
CN 127647